विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

आम लोगों की जेब पर भारी पड़ती सुविधाओं के नाम पर बैंकों की वसूलियां

पिछले पांच सालों में एसबीआई को छोड शेष 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल और केवल मिनिमम बैलेंस के नाम पर 8 हजार 500 रु. करोड रु. की कमाई की है। इसका साफ साफ अर्थ है कि गरीब आदमी के खातों से साढे आठ हजार करोड रुपए तो इन बैंकों में न्यूनतम बैलेंस ना रख पाने के कारण गवाने पडे हैं। यह तो तब है जब देश के सबसे बडे बैंक ने 2019-20 में न्यूनतम बैलेंस की पैनेल्टी के रुप में 640 करोड जुर्माना के रुप में वसूलने के बाद न्यूनतम बैलेंस पर पेनेल्टी लगाने का आदेश वापिस ले लिया। 12 में से 11 बैंकों की साढे 8 हजार करोड की पांच साल में पेनेल्टी वसूली रही है तो कल्पना की जा सकती है कि निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस तरह के जुर्माने से कितना खजाना भरा होगा। साढे 8 हजार करोड रु. की जुर्माना राशि का आंकडा किसी भी तरह से कपोल कल्पित या अतिशयोक्ति पूर्ण नहीं हैं क्योंकि यह जानकारी अधिकृत रुप से संसद में केन्द्रीय वित राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा दी गई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में बैंकों में मार्च, 23 में 294 करोड से अधिक खाते हैं। अब यह स्पष्टीकरण देने का कोई मतलब नहीं कि यह पैसा गरीब खातेदारों के अकाउंट्स से ही गया हैं क्योंकि पैसे वाले खाताधारकों के खातों में तो न्यूनतम बैलेंस रहता ही है।

देश में बैंकिंग नेटवर्क का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 1485 अरबन कोआपरेटिव बैंक और हजारों की संख्या में ग्रामीण सहकारी बैंकिंग संस्थाएं हैं। यह तो सभी संस्थागत बैंकिंग संस्थाएं है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंकिंग सेवाओं का विस्तार हुआ है। 24 गुणा 7 सेवाएं मिलने लगी है। जन धन खातों की परिकल्पना से गरीब से गरीब आदमी का बैंकों से जुड़ाव हुआ है। और अब डिजीटल लेन-देन की सुविधा ने तो सब कुछ ही बदल कर रख दिया है। आज पांच रुपए का धनिया तक पेटीएम या इसी तरह के किसी प्लेटफार्म से आसानी से भुगतान कर खरीदा जा सकता है। दिन प्रतिदिन डिजीटल पेमेंट का चलन आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में कहीं से भी किसी को भी मोबाईल या ऑनलाईन बैंकिंग सुविधा से चंद सैकंड में भुगतान पहुंचने लगा है। यह सब बैंकिंग सेवाओं में सुधार और विस्तार का उदाहरण है तो दूसरी और नकदी लेन-देन का स्थान डिजीटल पेमेंट ने ले लिया है।

बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पड़ने लगी है। डुप्लीकेट पासबुक से लेकर चैक बाउंस होने पर रिटर्न चार्ज, सिग्नेचर वैरीफाई चार्ज, नोमिनी का नाम बदलवाने, इंट्रेस्ट सर्टिफिकेट लेने, ईकेवाईसी और इसी तरह की सेवाओं के लिए चार्ज लिए जाते हैं।

बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार निश्चित रुप से शुभ संकेत माना जाना चाहिए। यह भी साफ है कि लोगों में निश्चित रुप से अवेयरनेस आई है। यह दूसरी बात है कि साइबर ठगी के मामलें भी बहुत अधिक होने लगे हैं। पर सबसे अधिक चिंतनीय बैंकों द्वारा अपनी आय बढ़ाने के लिए सुविधाओं के नाम पर चार्जेज लगालगाकर अपनी आय बढ़ाना है। आम आदमी को किसी तरह की गलत फहमी में नहीं रहना चाहिए कि बैंक उन्हें यह सेवाएं फ्री में दे रहे हैं। आज हालात यह है कि एटीएम पोस मशीन से बड़ा बड़ा कारोबारी भुगतान लेने को तैयार नहीं होता। उसका साफ कहना होता है कि इसमें हमारे चार्जेज लग जाते हैं इसलिए डिजीटल प्लेटफार्म से ही भुगतान प्राप्त करना उचित समझते हैं। खैर चिंतनीय बात यह है कि बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पड़ने लगी है। आज हो यह रहा है कि बैंक की छोटी से छोटी सेवा के लिए भी भुगतान करना पड़ता है। भुगतान के आसान तरीके आरटीजीएस और एनईएफटी की सेवाएं चार्जेवल है। हांलाकि दो लाख तक के आरटीजीएस पर कोई चार्ज नहीं लिया जाता पर राशि बढ़ने के साथ ही चार्ज बढ़ता जाता है। डुप्लीकेट पासबुक से लेकर चैक बाउंस होने पर रिटर्न चार्ज, सिग्नेचर वैरीफाई चार्ज, नोमिनी का नाम बदलवाने, इंट्रेस्ट सर्टिफिकेट लेने, ईकेवाईसी और इसी तरह की सेवाओं के लिए चार्ज लिए जाते हैं। एटीएम का उपयोग हांलाकि अब कम होता जा रहा है पर दूसरे बैंक के एटीएम के उपयोग और इसी तरह की अन्य सेवाओं के लिए चार्जेज आम होता जा रहा है। देखा जाए तो हमें पता ही नहीं चल पाता कि बैंकों द्वार कब कितना पैसा काट लिया जाता है। लेनदेन की सूचना के एसएमएस से लेकर अन्य सेवाएं करीब करीब सशुल्क होने के कारण हमें कुछ ना कुछ चुकाना ही पड़ता है। चिंतनीय यह है कि इस सबके बावजूद बैंकों में ग्राहकों के प्रति जो संवेदनशीलता और आपसी संबंध होने चाहिए वह कहीं खोते जा रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंक सेवा प्रदाता संस्था हैं और सहज सुविधाएं उपलब्ध कराने और निरंतर सेवाओं में सुधार के लिए बैंकों द्वारा प्रयास किये जाते रहे हैं। पर इसके साथ ही बैंकों को न्यूनतम बैलेंस या अन्य तरह के अनावश्यक चार्जेज लगाने से पहले आम खाताधारकों के हितों को भी देखना चाहिए। बैंक केवल और केवल पैसा कमाने का स्थान नहीं हैं अपितु बैंकों की भी आमजन के प्रति जिम्मेदारी बनती हैं। सभी कुछ केवल और केवल खाताधारक से ही देय है तो फिर बैंकों और पुराने जमाने के साहूकारों या आज के गली-गली में फैले सूदखोरों या फिर बॉक्सरों से वसूली करने वाली संस्थाओं से अलग होना ही पड़ेगा। कहीं ना कहीं सरकार और बैंकिंग संस्थाओं को जनसरोकारों से भी जुड़ना होगा ताकि जिस तरह से पिछले कुछ सालों में बैंकों में आम आदमी की सहज पहुंच हुई हैं और आम आदमी का मोबाईल अब बैंक बन गया है यह सराहनीय है। आवश्यकता चार्जेज के पुनरावलोकन की है। इस और ध्यान देना ही होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 8 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 11:34 तक, शिवयोग दिन 12:29 तक, वणिज करण दिन 11:21 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

रवियोग रात्रि 2:44 तक है। आज वरद विनायक चतुर्थी, दुर्वा गणपति व्रत है और श्रवण तपस्या आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:37 तक, चर 10:54 से 12:32 तक, लाभ-अमृत 12:32 से 3:49 तक, शुभ 5:28 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 7:05

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों एवं आय में वृद्धि होगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या
व्यक्तिगत पारिवारिक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के तहत लगाये 7.94 लाख से ज्यादा पौधे

सघन वृक्षारोपण पट्टी का अनावरण कर किया शुभारंभ

ब्यावर, (निसं)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक पेड मां के नाम अभियान शुरू किया गया । इसी अभियान को गति देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर वृक्षारोपण महाअभियान चलाया जा रहा है ।

नगरीय विकास व स्वायत्त शासन विभाग के मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा के मुख्य आतिथ्य में बुधवार को हरियाली तीज के अवसर पर राजकीय सनातन धर्म महाविद्यालय परिसर में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ । प्रभारी मंत्री व अन्य अतिथियों ने सघन वृक्षारोपण पट्टी का अनावरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।कार्यक्रम में मौजूद आमजन को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि वर्तमान परिस्थिति में पहली बार प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में तापमान 50 डिठाी से ज्यादा रहा। आगामी संकट को रोकने व आने वाली पीढ़ी को बचाने के लिए वृक्षों का रोपण व संरक्षण अति आवश्यक है। यशस्वी प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए आ ान किया है ।उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि इन पौधों का जब तक ये सक्षम नहीं हो जाए निरंतर संरक्षण व पालन पोषण करें। किसी कारणवश अगर कोई पौधा जीवित नहीं रह पाए तो उसकी जगह दूसरे पौधे का रोपण कर अभियान को सफल बनाएं।

वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

- **प्रभारी मंत्री के मुख्य आतिथ्य में सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय परिसर में कार्यक्रम आयोजित हुआ**

विधायक शंकर सिंह रावत ने कहा कि जिले में जितने पौधे लगे हैं उनकी देखभाल की जिम्मेदारी पौधों का रोपण करने वाला स्वयं लेवे एवं इन पौधों की शत प्रतिशत जिओ टैगिंग करना सुनिश्चित करें जिससे कि आंकड़ों के अनुरूप धरातल पर इनकी क्रियान्विति हो सके ।जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने बताया कि जिले में लगाए गए पौधों की देखभाल एवं संरक्षण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को भी दिशा निर्देश दिए गए हैं एवं तय लक्ष्य को प्रशासन द्वारा सभी के समन्वय से पूरा कर लिया गया है ।नगर परिषद सभापति नरेश कनौजिया ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में प्रकृति को बचाने के लिए नगर परिषद द्वारा भी पौधे व अन्य संसाधन आमजन को उपलब्ध करवाकर ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करवाया जा रहा है । प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा, विधायक शंकर सिंह रावत, प्रभारी सचिव विश्राम मीणा, जिला कलेक्टर उत्सव कौशल, पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह, जवाजा प्रधान गणपत सिंह रावत, अतिरिक्त जिला कलेक्टर लक्ष्मीकांत बालोत, एडिशनल एसपी हिमांशु, उपखंड अधिकारी गौरव बुढानिया, नगर परिषद आयुक्त श्रवणराम सहित अन्य अतिथियों, आमजन व महिलाओं ने महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। जिला परिषद के एसीईओ गोपाल मीणा ने स्वागत उद्बोधन दिया एवं बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में 7 लाख 94 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य लिया गया था । जिसके तहत 5 लाख 9 हजार पौधे लगाए जा चुके हैं एवं शेष रहे लगभग 2 लाख 85 हजार पौधे आज लगाकर लक्ष्य को प्राप्त किया जाएगा ।

अभियान के तहत मनरेगा द्वारा लगभग 1 लाख 90 हजार, वन विभाग द्वारा 98 हजार, शिक्षा विभाग द्वारा 3 लाख 38 हजार , नगर परिषद द्वारा 70 हजार सहित महिला एवं बाल विकास विभाग, खान विभाग एवं चिकित्सा विभाग द्वारा लगभग 5 हजार सहित अन्य सभी विभागों द्वारा कुल 7.94 लाख पौधों के रोपण का लक्ष्य लिया गया था।

प्रभारी सचिव ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

अजमेर, (कासं)। शासन सचिव (आयोजना) एवं जिले के प्रभारी सचिव नवीन जैन के द्वारा बुधवार को विभागीय योजनाओं की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने जिले की प्रगति से अवगत कराया।

प्रभारी सचिव नवीन जैन ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक में ई-फाइलिंग प्रणाली का उपयोग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही कहा कि पत्रावली निस्तारण की गुणवत्ता बनी रहनी चाहिए। ई-फाइलिंग निस्तारण समय को सुसंगत तरीके से कम करने का प्रयास करें। जनहित के कार्यों को प्राथमिकता से निस्तारित किया जाना चाहिए। राज काज एप को नियमित देखते रहें। मोबाइल एप का उपयोग करने से फाईल निस्तारण में आसानी रहती है। ऑफलाइन फाइलें पूरी तरह से चलन से बाहर हो जानी चाहिए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित समस्त कार्यालयों द्वारा आगामी दस दिवस में समस्त फाइलें ई-फाइल सिस्टम में होना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को निर्धारित मात्रा में अनाज मिलना सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए उचित मूल्य दुकानों की आकस्मिक जांच करने के साथ ही लाभार्थियों से वार्तालाप कर रिकॉर्ड से मिलान किया जाए।

शासन सचिव (आयोजना) एवं जिले के प्रभारी सचिव नवीन जैन के द्वारा बुधवार को विभागीय योजनाओं की समीक्षा की गई।

प्रधानमंत्री सूर्या धर योजना के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश प्रदान किए गए। विद्युत विभाग को इसका अधिकतम प्रचार-प्रसार करना चाहिए। जिले में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए उद्यम स्थापना आवश्यक है। इसके लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अभ्यर्थियों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करें तथा आवेदनों के अनुसार उद्यम भी स्थापित हो।

उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन कर लाभान्वित करावें। सकारात्मक सोच के साथ धरातल पर कार्य करने वाली गैर सरकारी संस्थाओं की पत्रावलियों को ऑनलाईन करने में पर्याप्त सहयोग प्रदान करें। सिलिकोसिस पीड़ितों के लिए सहायता राशि तत्काल जारी करने के लिए प्रयास किया जाए। इसी प्रकार मुख्यमंत्री हथलेवा योजना में भी कोई आवेदन लम्बित नहीं रखें। राजस्थान सम्पर्क पोर्टल के 90 दिन से अधिक पुराने प्रकरणों की संख्या शून्य होनी चाहिए। बजट घोषणाओं के अनुसार भूमि आवंटन की कार्यवाही करें।

इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक खत्रा, अजमेर विकास प्राधिकरण की आयुक्त नित्या के., नगर निगम के आयुक्त देशल दान, अतिरिक्त जिला कलक्टर लोकश कुमार गौतम, गजेन्द्र सिंह राठौड़, ज्योति ककवानी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्ग सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग की अनदेखी से शिक्षकों में पनप रहा है आक्रोश

अजमेर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ राधाकृष्णन व राधाकृष्णन शिक्षिका सेना ने मांग की है कि अधिशेष शिक्षकों का स्थाई रिक्त पदों पर समायोजन किया जाए। शिक्षा विभाग की अनदेखी के चलते शिक्षकों में रोष पनप रहा है, जिससे सरकार के खिलाफ शिक्षकों का गुबार फूट सकता है।

राजस्थान शिक्षक संघ राधाकृष्णन के प्रदेश अध्यक्ष विजय सोनी ने कहा कि शिक्षा विभाग में वे शिक्षक जो स्कूलों में अधिशेष हैं, जो स्कूल क्रमोन्नत होने और महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तन होने के बाद शिक्षक अधिशेष हो गए थे, जो 2 साल से अधिशेष चल रहे हैं, इन अधिशेष शिक्षकों का वेतन अन्य विद्यालयों के रिक्त पदों से आहरण हो रहा है, कभी यहां तो कभी वहां से वेतन के आदेश हो रहे हैं, जिससे सरकार व शिक्षा विभाग के खिलाफ नाराजगी व्याप्त है।

काम कहीं ओर वेतन किसी अन्य स्कूल से मिल रहा:- उन्होंने बताया कि शिक्षक वेतन नहीं मिलने से परेशान हो रहे हैं। साथ ही ये शिक्षक काम कहीं ओर कर रहे हैं और वेतन किसी अन्य स्कूल से मिल रहा हैं। इन अधिशेष शिक्षकों की जॉइनिंग शाला दर्पण पर नहीं होने के कारण प्रोबेशन पूरा करने वाले शिक्षकों का नियमितिकरण भी नहीं हो पा रहा है। साथ ही 9,18, 27 वर्ष सेवापूर्ण होने वाले भी ऑनलाइन एप्लाई नहीं कर पा रहे है, ना ही अन्य ऑनलाइन कार्य हो रहे हैं।

- **अधिशेष शिक्षकों को स्थाई पद पर समायोजित करने की शिक्षक संघ राधाकृष्णन व राधाकृष्णन शिक्षिका सेना ने मांग की**
- **विभाग की अनदेखी के चलते अधिशेष शिक्षकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में शिक्षकों में रोष बढ़ता जा रहा है**

राजस्थान शिक्षक संघ राधाकृष्णन व राधाकृष्णन शिक्षिका सेना के प्रतिनिधि मंडल ने शिक्षा मंत्री को पिछले दिनों ज्ञापन सौंपकर मांग की थी कि अधिशेष शिक्षकों का रिक्त पदों पर समायोजन किया जाए। इस हेतु पहले अधिशेष शिक्षक क्षेत्र में पद रिक्त है तो उसी क्षेत्र के विद्यालय में, अगर पद नहीं तो पंचायत व फिर पंचायत समिति क्षेत्र में उनको समायोजित किया जाए।

शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि काउंसलिंग पद्धति के माध्यम से इन शिक्षकों का पदस्थापन किया जाए, मात्र तीन दिवस के अंदर सभी अधिशेष शिक्षक रिक्त पदों के विद्यालय में नियुक्त किए जा सकते हैं, लेकिन शिक्षा विभाग इस विषय पर गंभीरता से विचार नहीं कर रहा है, विभाग की अनदेखी के चलते अधिशेष शिक्षकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में शिक्षकों में रोष बढ़ता जा रहा है। विभाग ने त्वरित कार्रवाई नहीं की तो शिक्षकों का रोष आंदोलन का रूप ले सकता है।

राधाकृष्णन शिक्षिका सेना की प्रदेश संयोजिका सुनीता भाटी ने कहा कि अनेक महिला शिक्षक ऐसी हैं जिनका वेतन दूसरी जगह से मिल रहा है, ऐसे में उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर तो वेतन समय पर आहरित न करके अनावश्यक परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन सभी परेशानियों एक मात्र समाधान अधिशेष शिक्षकों को स्थाई पद पर समायोजित कर दिया जाए।

पुष्कर के रंगजी मंदिर में हिंडोला (झूला) महोत्सव शुरू

अजमेर, (कासं)। सावन का महीना शुरू होते ही बाग-बगीचों और घरों में झूले टंग जाते हैं। बिना झूला झूले सावन का मजा अधूरा सा रह जाता है। सावन और झूला का रिश्ता बहुत पुराना है। श्रावण मास में पुष्कर का हिंडोला (झूला) महोत्सव प्रदेश भर में प्रसिद्ध है। हर साल की तरह इस वर्ष भी महोत्सव का शुभारंभ बुधवार को पुष्कर के रंगनाथ मंदिर भगवान वैकुंठनाथ, महालक्ष्मी जी, गोदांबाजी, रघुनाथजी और रंगनाथ भगवन का रत्नों से जड़े गहनों से श्रृंगार कर हिंडौले को मंदिर के शीश महल में सजाया गया।

मंदिर के प्रबंधक सत्यनारायण रामावत ने बताया कि सावन माह की हरियाली तीज के साथ ही कई त्योहार बिना झूले अधूरे माने जाते हैं। इसको देखते हुए हरियाली तीज का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। यही नहीं सहेलियों के साथ झूला झूलना न केवल हंसी का हिस्सा है, बल्कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर है, तो वहीं इस पर्व पर मंदिरों को फूलों से हिंडोले बहुत सुन्दर सजाया जाता है। मंदिरों की नगरी पुष्कर स्थित श्रीराम वैकुंठ दिव्यदेश नए रंगजी मंदिर और पुराने रंगजी मंदिर में सावन के झूले (हिंडोले) महोत्सव का शुभारंभ बुधवार को पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुआ।

- **पंद्रह दिवसीय कार्यक्रम 22 अगस्त तक धार्मिक आयोजन होंगे**

प्रतिदिन अलग-अलग तरह के श्रृंगार एवं विद्युतचालित झांकियों के दर्शन हो सकेंगे। एकादशी का झूला महोत्सव खास होगा।

15 दिवसीय होता है झूला महोत्सव:- मंदिर सत्यनारायण रामावत ने बताया कि नए रंगजी मंदिर में आयोजित 15 दिवसीय झूला महोत्सव के पहले दिन शीश महल के कपाट खोले गए और उनके सामने भगवान वेंकटेश और गोदम्बाजी को रत्नों और आभूषणों से श्रृंगार कर महल में एक सुंदर हिंडौला सजा कर विराजमान किया गया। झूला मंडप में एक तरफ राधा-कृष्ण रास की झांकी सजाई गई, तो वहीं दूसरी ओर पुष्कर तीर्थ की बसावट को प्रदर्शित किया गया। महोत्सव के शुभारंभ पर अजमेर के शशि शर्मा एंड ग्रुप द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। झूला महोत्सव के दौरान भगवान वैकुंठनाथ, महालक्ष्मी जी, गोदांबाजी, रघुनाथजी और रंगनाथ भगवन का रत्नों से जड़े गहनों से श्रृंगार कर हिंडौले को मंदिर के शीश महल में सजाया गया, जहां भक्तों ने दर्शन कर पुण्य लाभ कमाया।

उन्होंने बताया कि 8 अगस्त को पुष्कर के कलाकार, 9 को अलंकार संगीत केन्द्र किशनढ़ के कलाकार, 10 को सप्तक कला संस्था, 11 को श्याम प्रिया संकीर्तन मंडल अजमेर,12 को पुष्कर के, 13 को अजमेर के कैलाशचंद सोनी एंड ग्रुप, 14 को अजमेर के बलविंदर सिंह समूह, 15 को अजमेर के डॉ.रजनीश चारण 16 अजमेर के राहुल नायक, 17 को जोधपुर के जगदीश हर्ष द्वारा, 20 व 21 को पुष्कर एवं 22 को महोत्सव के समापन पर गुलाबपुरा के संस्कार भारती ग्रुप द्वारा कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां के साथ होगा।

निशुल्क मेडिकल जांच शिविर 8 को

भीलवाड़ा, (निसं)। दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन ,एवं भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी महिला संगठन के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क मेडिकल विशाल जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें स्तन कैंसर के लिए मैमोग्राफी एवं सर्वाइकल कैंसर के लिए मशीनों द्वारा निशुल्क जांच की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष सीमा कोगटा एवं सचिव सुशीला असावा ने बताया कि जीसीएस हॉस्पिटल अहमदाबाद की टीम एवं काबरा परिवार के सौजन्य से इस शिविर में मैमोग्राफी स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर आंखो की जांच एवं मोतियाबिंद का ऑपरेशन नाक कान गला एवं दांतों की मशीनों द्वारा निशुल्क जांच करवाई जाएगी। जिला अध्यक्ष प्रीति लोहिया एवं सचिव भारती बाहेती ने बताया कि यह कगुरुवार 8 अगस्त 2024 को प्रात: 9 बजे से दोपहर 1:00 तक काशीपुरी वकील कॉलोनी महेश्वरी भवन राम धाम के पीछे, आजाद नगर भीलवाड़ा में आयोजित किया जायेगा।